EKAL ABHIYAN
A PEOPLE'S MOVEMENT

एकल संदेश

भारत लोक शिक्षा परिषद्

एकल विद्यालय
Bharat Lok Shiksha Parishad

त्रैमासिक
16वां संस्करण

राष्ट्रीय महिला विभाग

Registered Under IICA
ISO 9001:2015 (QMS)

आचार्य एवं सेवाव्रती विशेषांक

जनवरी – मार्च, 2024

आचार्य उपहार योजना

आचार्य उपहार योजना...-एक बहुत ही अच्छी सकारात्मक पहल

- शीर्ष से लेकर कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए अंतिम छोर तक पहुँच....

परिणामस्वरूप - सम्मान से आचार्यों की आँखें नम.....

- भेंट का मूल्य न देखकर, भावना को महत्त्व....

- समिति, सेवाव्रती कार्यकर्ता एवं आचार्यों के मध्य प्रेम सेतु का निर्माण...

समर्पित भाव से सेवारत, महिला विभाग की प्रेरणा स्रोत आदरणीया मंजू दीदी के नेतृत्व में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष सभी एकल आचार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए उनको उपहार भेंट किया जाएगा, जिससे उनका मनोबल बढ़ेगा साथ ही नगर संगठन और ग्राम संगठन के मध्य आपसी प्रेम भी बढ़ेगा। राष्ट्रीय महिला विभाग के अतुलनीय प्रयास से भारत लोक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित 19,330 एकल विद्यालयों के आचार्यों को 100 % उपहार सम्मान प्रदान किया गया।

उपहार योजना से क्या पाया –

- यह मील का पत्थर रहा,
- आचार्या बहनों ने समाज के बीच सम्मान पाकर गौरान्वित महसूस किया।
- अपनापन देखकर आचार्यों के परिवार जनों में भी उत्साह देखने को मिला।
- समिति के लोग अपने परिवारों के संग कार्यक्रम में शामिल हुए।
- नगर संगठन व ग्राम संगठन में आपसी आत्मीयता बढ़ी।
- एकल की हर इकाई इतनी खुश हुई कि काम करने की क्षमता बढ़ी।
- इस योजना की विशेषता यह रही कि विभिन्न स्तर की समितियों द्वारा स्वयं ही इस उपहार एवं सम्मान योजना को कार्यान्वित किया गया। जिसमें भारत लोक शिक्षा परिषद्, राष्ट्रीय महिला विभाग की विशेष भूमिका रही।

प्रभाग के अनुसार आचार्य संक्रांति उपहार वितरण -

प्रभाग P-4 (पूर्वी उत्तर प्रदेश, सेंट्रल उत्तर प्रदेश, दक्षिणी उत्तर प्रदेश)

प्रभाग	अंचल	संच	संचालित विद्यालय	आचार्य	प्रतिशत
काशी, विंध्याचल लखनऊ,बुंदेलखंड	14	163	4581	4581	100%

पूर्वी उत्तर प्रदेश

सेंट्रल उत्तरी प्रदेश

दक्षिणी उत्तरी प्रदेश

प्रभाग P-4 (पूर्वी उत्तर प्रदेश, सेंट्रल उत्तर प्रदेश, दक्षिणी उत्तर प्रदेश)

प्रभाग	अंचल	संच	संचालित विद्यालय	आचार्य	प्रतिशत
कुमायूं, गढ़वाल सहारनपुर, रुहेलखण्ड	20	223	6029	6029	100%

उत्तराखंड

पश्चिमी उत्तर प्रदेश

ब्रजमंडल

प्रभाग P-4 (पूर्वी उत्तर प्रदेश, सेंट्रल उत्तर प्रदेश, दक्षिणी उत्तर प्रदेश)

प्रभाग	अंचल	संच	संचालित विद्यालय	आचार्य	प्रतिशत
कुमायूं, गढ़वाल सहारनपुर, रुहेलखण्ड	20	223	6029	6029	100%

जम्मू

दक्षिण हिमाचल

उत्तर हिमाचल

समिति सहयोग व नियमित बैठकें– राष्ट्रीय महिला विभाग एवं ग्राम संगठन द्वारा इस कार्य को मूर्त रूप देने के लिए नगर, अंचल, संच व ग्राम समिति एवं सेवाव्रती कार्यकर्ताओं के साथ नियमित रूप से बैठकें की और कार्य को पूर्ण करने की योजना बनाई गयी। 100 % सफलता में ग्राम संगठन की बहनों का मुख्य योगदान रहा।

सेवाव्रती कार्यकर्ताओं का सहयोग – आचार्य उपहार योजना को अंतिम रूप देने में सेवाव्रती कार्यकर्ताओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है, एकल विद्यालय का मुख्य स्तंभ आचार्य तक उपहार पहुंचे... यह सुनिश्चित करने का कार्य, कार्यकर्ताओं ने बड़ी ही जिम्मेदारी और समर्पण के साथ किया।

प्रभाव - इसके माध्यम से आपसी संवाद और आत्मीयता का भाव स्थापित करने में बहुत मदद मिली। इससे सभी आचार्यों का मनोबल भी बहुत बढ़ा और उन्हें अपनापन भी महसूस हुआ।

उन्हें यह भी एहसास हुआ कि नगर में बैठे लोगों को हमारी चिंता है, जिससे राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी सजगता और स्नेह बढ़ा है।

अनुभव कथन –

हमारे सेवाव्रती कार्यकर्ताओं के अनुभव -

- उपहार ही चाहिए धनराशि नही, धनराशि व सम्मान में बहुत फर्क है, सम्मान से ऊर्जा मिलती है।
- कोई भी आचार्य सम्मान से वंचित न रहे, समिति ने इसको बहुत गंभीरता से लिया और इसके लिए हर स्तर पर बैठके की।
- सम्मान पाते ही सभी आचार्यों में जबरदस्त उत्साह और जोश देखने को मिला और आचार्यों ने कहा कि पहली बार मंच पर सम्मान पाकर अच्छा लगा।
- गांवों पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ा और अगले वर्ष हम यह योजना उत्सव के रूप में मनाएंगे।
- गांव की ग्राम समिति बैठक में जब आचार्या बहन उपहार लेकर आयीं तो सासु माँ की आंखे नम हो गयी
- इस योजना से कार्य करने की क्षमता बढ़ी, आचार्यों का ड्राप रेट कम हुआ।
- समाज के बीच सम्मान पाकर बहनों को गौरव का अनुभव हुआ।

अनुभव कथन –

उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड – गार्गी जी, दीपिका जी, सारिका जी, शांति पाण्डेय जी, शैली जी - "सभी आचार्य सुखद अनुभव कर रहे थे, आपसी जुड़ाव बढ़ा है, उनमें उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इससे आचार्यों में सेवा और समर्पण की भावना बढ़ी है, उन्हें ऐसा एहसास हुआ है कि उनका एक परिवार शहरों में भी है जो उनकी चिंता करता है।"

जम्मू - कमला जी, कामिनी जी, अनु भसीन जी एवं रितु जी – "आचार्या बहनों का मनोबल बढ़ा, आचार्यों ने दिल खोलकर उनका स्वागत किया, उपहार तो बस एक माध्यम था उनसे जुड़ने का, उनसे जुड़कर जो अपनत्व और प्यार मिला।"

हिमाचल – स्वर्णा जी, उर्मिला जी, संगीता जी, दिशा जी, प्रत्येश्वरी जी – "इस पहल के लिए सभी आचार्यों ने आभार व्यक्त करते हुए ख़ुशी जाहिर की। ऐसा लग रहा था यह अवसर उनके जीवन में नया उत्साह और उमंग लेकर आया है, यह सब अपने परिवार की तरह लगा।"

श्री अशोक जी – "बहुत दूर -दूर से बहनें आयीं, अति दुर्गम क्षेत्रों से भी बहनें पैदल चलकर आयीं। शत प्रतिशत उनकी उपस्थिति रही। यह समिति के लिए प्रेरणादायक भी रहा।"

श्री सिकंदर जी – "आचार्य उपहार योजना इतनी गंभीरता से धरातल पर उतर पायेगा ये कल्पना भी नही की थी, अंतिम पड़ाव तक पहुँचाने के लिए धन्यवाद्।"

आचार्य अनुभव कथन –

- ऐसा सम्मान पाकर आत्मीयता से भावुक हो गये।
- ऐसा प्यार पाकर हमारा आत्मविश्वास बढ़ा।
- ऐसा प्यार और सम्मान पाकर हृदय प्रेम भाव से भर आया।
- परिवार एवं समाज में भी मान सम्मान बढ़ा है।
- नगर वासियों का प्यार देखकर कार्य करने की क्षमता बढ़ी।
- उपहार से ज्यादा आत्मीयता का भाव अच्छा लगा।
- जो स्नेह मिला वह अविस्मरणीय रहा।

समिति ने संकल्प लिया कि आचार्य जो हमारे अपने बेटी/बेटे हैं प्रत्येक वर्ष नवम्बर माह से आचार्य संक्रांति उपहार योजना को समय पर व्यवस्थित रूप से संग्रह करके उन्हें सम्मान पूर्वक उपहार देंगे, जिससे सभी आचार्यों को स्नेह दे सकें।

योजना को सफलता पूर्वक पूर्ण करने के पश्चात्...

धन्यवाद् करने के लिए सभी स्तर पर समिति एवं सेवाव्रती कार्यकर्ताओं के साथ परिवार मिलन किया जा रहा है।

'यह है हमारा एकल परिवार'

सोनल रासीवासिया
(प्रधान, राष्ट्रीय महिला विभाग)

माधुरी अग्रवाल
(उप प्रधान,राष्ट्रीय महिला विभाग)

सेवाव्रती कार्यकर्ता सम्मान (संक्रांति उपहार)

भारत लोक शिक्षा परिषद् राष्ट्रीय महिला विभाग द्वारा एवं चैप्टर की बहनों के सहयोग से शिक्षित, स्वस्थ एवं समर्थ भारत के निर्माण के लिए समर्पित भाव से सेवारत एकल के कार्यकर्त्ता बंधुओं एवं बहनों को प्रोत्साहित करने एवं उनके सम्मान के लिए प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनवरी 2024 में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर उपहार स्वरुप प्रेशर कुकर देकर सम्मानित किया गया।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष मकर संक्रांति के पावन अवसर पर राष्ट्रीय महिला विभाग द्वारा सभी सेवाव्रती कार्यकर्ताओं को उपहार स्वरुप जनवरी 2024 को प्रेशर कुकर भेंट किया गए।

भारत लोक शिक्षा परिषद् के कुल 9 संभागों में 1102 प्रेशर कुकर उपहार महिला विभाग की बहनों द्वारा भेंट किये गए।

एकल के सेवाव्रती कार्यकर्ताओं संगठन की वो नीव हैं जिनके कन्धों पर संगठन के मूल उद्देश्यों को जमीनी स्तर पर लागू कर, अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। राष्ट्र के लिए समर्पित इन कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने हेतु बहनों द्वारा इस तरह के छोटे छोटे प्रयास नियमित रूप से किये जाते हैं।

संभाग के अनुसार सेवाव्रती कार्यकर्ता संक्रांति उपहार वितरण -

S. No	Sambhag Name	Bhag Name	No. of Sevavrati Karyakarta
1	Uttarakhand	Kumaon	101
2		Garhwal	70
3	South Himachal	Rampur	73
4		Shimla	46
5		Sirmaur	72
6	West UP	Saharanpur	71
7	Brajmandal	Ruhelkhand	105
8	North Himachal	Kullu	71
9		Palampur	89
10		Bilaspur	55
12		Nurpur	92
13	South UP Sambhag	Bundelkhand	31
14	Jammu & Kashmir	Kathua	15
15	Central UP	Lucknow	122
16	East UP	Kashi	53
17		Vindhyachal	30
18	STO	Delhi	6
19	BLSP Staff (HO)	Delhi	14
Total	11	18	1116

BLSP ऑफिस स्टाफ को भी महिला बहनों द्वारा उपहार स्वरुप प्रेशर कुकर भेंट किया गया ।

दर्शना गोयल
(चेयरपर्सन, राष्ट्रीय महिला विभाग)

सोनल रासीवासिया
(प्रधान, राष्ट्रीय महिला विभाग)

राष्ट्रीय महिला विभाग द्वारा विद्यालय वनयात्रा, अयोध्या

भारत लोक शिक्षा परिषद, राष्ट्रीय महिला विभाग द्वारा 28 एवं 29 मार्च 2024 को पावन भूमि अयोध्या में संचालित हो रहे एकल विद्यालय की वनयात्रा की गई। इस वनयात्रा में कुल 42 बहनों ने भाग लिया, जिसमें से लगभग 15 बहनें ऐसी थीं जो पहली बार वनयात्रा पर गयी।

वनयात्रा का उद्देश्य सभी लोगों को एकल विद्यालय के संचालन प्रणाली को समझाना, एकल द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में बताना, नई बहनों को एकल से जोड़ना, समिति और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना था।

संभाग मध्य उत्तर प्रदेश, अंचल - सिद्धार्थ नगर, संच - बर्डपुर के बूड़ा एवं बगही ग्राम में संचालित एकल विद्यालय को देखा। ग्रामवासियों एवं समिति के सदस्यों ने सभी वन यात्रियों का फूलमाला पहनाकर उत्साह के साथ स्वागत किया, वनयात्रा पर गयी सभी बहनों ने एकल विद्यालय में बच्चों से बातें भी की। बच्चों ने पहाड़े, बाल गीत और चौपाई सुनाया, खेल-खेल में योग किया एवं गणित के सवाल को भी हल किया। साथ ही बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जिसने सभी वनयात्रियों का मन मोह लिया।

समिति संपर्क – समिति के साथ बैठक की गई सभी सदस्यों ने बड़ी ही आत्मीयता के साथ बातचीत की और समाज में एकल से होने वाले सकारात्मक परिवर्तनों को भी जाना।

आचार्य संपर्क एवं स्नेह मिलन – आचार्य बहनों से सभी ने बातचीत की और विद्यालय के संचालन प्रणाली को समझने का प्रयास किया। एकल परिवारों से भी संपर्क हुआ, उनका प्यार मिला।

बच्चों द्वारा बनाये गए गिफ्ट – एकल विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों ने सभी वनयात्रियों को अपने हाथों से बनाया हुआ बहुत ही सुंदर गिफ्ट भी दिया, जिसे देखकर सभी भाव विभोर हो गये।

इससे प्रेरित होकर कई बहनों ने एकल विद्यालय के लिए सहयोग का संकल्प लिया और एकल से जुड़े रहने की इच्छा भी व्यक्त की।

वनयात्रा अनुभव कथन -

"मैं कई वर्षों से एकल से जुडी हुई हूँ, लेकिन जितनी बार मैं एकल वनयात्रा पर जाती हूँ मुझे हमेशा नया अनुभव होता है। प्रभु श्री राम लला के दर्शन और एकल विद्यालय की यह वनयात्रा मेरे लिए हमेशा अविस्मरणीय रहेगी।"

- श्रीमती सोनल रासीवासिया (प्रधान, राष्ट्रीय महिला विभाग)

"ग्रामीण परिवारों द्वारा जितनी गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया वह अविस्मरणीय था। एकल विद्यालयों के माध्यम से बच्चों को जो संस्कार दिए जा रहे हैं वह हमें शहरों में भी देखने को नही मिलते हैं।"

- श्रीमती प्रवेश लता अग्रवाल (महामंत्री, राष्ट्रीय महिला विभाग)

"एकल के प्यारे बच्चों और ग्रामीण परिवारों से मिलकर ऐसा लगा जैसे कि हम अपने ही परिवार से मिल रहे हों। बच्चों द्वारा बनाये गये मिट्टी के सुन्दर खिलौने,ग्रामीण परिवारों द्वारा स्वादिष्ट भोजन कराया गया, यह सब देखकर मन प्रसन्न हो गया।"

- श्रीमती सुनीता गोयल (सदस्य, राष्ट्रीय महिला विभाग)

"बच्चों की कलाकृतियां और खेल-खेल में बच्चों को पढ़ाने की विधि को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ, एकल के बच्चों की प्रतिभा और आचार्यों की लगन देखकर मन बहुत प्रसन्न हुआ।"

- श्रीमती कल्पना बंसल (दानदाता)

राष्ट्रीय महिला विभाग – कार्य

- बैठकें - 10
- वनयात्रा - 2
- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव
- होली मिलन कार्यक्रम
- अमेरिका डोनर संपर्क
- महिला विभाग चैप्टर उद्घाटन
- हिमाचल में कार्यकर्त्ता संपर्क

- जन – जन तक पहुँच
- सुन्दर नर्सरी
- एकल रन में सहयोग
- ABPM मीटिंग
- श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम
- CSR महिला विभाग स्थापित

पूर्वी दिल्ली चैप्टर

- बैठकें (महिला सखी मिलन) - 9
- वनयात्रा – 1
- भारत के रंग एकल के संग
- प्रवास
- अक्षरधाम मंदिर दर्शन

पश्चिमी दिल्ली चैप्टर

- बैठकें - 10
- कवि सम्मेलन कार्यक्रम
- परिवार मिलन

कानपुर चैप्टर

- बैठकें - 25
- वनयात्रा - 3
- समन्वय बैठक – 3
- मकर संक्रांति उपहार वितरण कार्यक्रम
- दीपावली एवं होली मिलन कार्यक्रम
- सैनिक सम्मान समारोह
- EOW बस उद्घाटन और सर्टिफिकेट वितरण

उत्तरी दिल्ली चैप्टर

- बैठकें (सखी मिलन) - 13
- वनयात्रा – 2
- शामली योग दिवस
- शबरी बस्ती उपहार वितरण
- दीपावली – दीप वितरण
- तीज कार्यक्रम
- कथा – एकल श्रीमद्भागवत कथा
- खाटू श्याम धाम मंदिर दर्शन

दक्षिणी दिल्ली चैप्टर

- बैठकें - 2
- चक्रव्यूह कार्यक्रम

लखनऊ चैप्टर

- बैठकें - 15
- वनयात्रा – 3
- गौ सेवा कार्यक्रम
- मकर संक्रांति उपहार वितरण कार्यक्रम
- अमेलिया प्रदर्शनी एवं जन्माष्टमी कार्यक्रम
- शिक्षक दिवस
- दास्तान गोसाईं कार्यक्रम

जम्मू चैप्टर

- बैठकें - 5
- वनयात्रा – 1
- कलश यात्रा
- आचार्या परिवार संपर्क
- जन्माष्टमी कार्यक्रम
- भारत के रंग एकल के संग
- मकर संक्रांति उपहार वितरण

रुद्रपुर चैप्टर

- बैठकें - 1
- वनयात्रा – 1
- नए सदस्य जुड़े - 8
- भजन संध्या
- जन्माष्टमी कार्यक्रम
- प्रवास

वाराणसी चैप्टर

- बैठकें - 1
- वनयात्रा – 1
- एकल सुरताल कार्यक्रम में सहयोग
- मेडिकल कैंप

CSR महिला विभाग गठन (18 फरवरी 2024)

श्रीमती रजनी चावला जी एवं श्रीमती सबीना बासुदेव जी ने CSR महिला विभाग की नई टीम की घोषणा की और कहा कि CSR महिला विभाग पूरी निष्ठा के साथ एकल के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान देने के लिए तत्पर है। एकल वार्षिक अमृत महोत्सव में CSR महिला विभाग ने भाग लिया जिसमे श्रीमती सोनल रासीवासिया जी द्वारा राम भजन सुनाकर कार्यक्रम की औपचारिक शुभारम्भ किया। श्रीमती रजनी चावला जी ने राम आयेंगे गीत पर प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

फरीदाबाद चैप्टर शुभारम्भ (05 अगस्त 2024)

- भारत लोक शिक्षा परिषद् फरीदाबाद चैप्टर महिला विभाग का 05 अगस्त 2023 को उद्घाटन किया गया।
- राष्ट्रीय महिला विभाग- प्रधान श्रीमती सोनल रासीवासिया जी एवं उपप्रधान - श्रीमती माधुरी अग्रवाल जी एवं कोषाध्यक्ष - श्रीमती निधि गुप्ता जी के नेतृत्व में श्रीमती पूनम गुप्ता जी के आवास पर बैठक कर चैप्टर का शुभारम्भ किया गया ।

आचार्य के गुण -

- आचार्या का चरित्र उज्जवल होना चाहिए
- सेवा भाव होना चाहिए
- नयी – नयी बातें सीखकर अपनी योग्यता बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए
- सुन्दर लिखने और बढिया पढ़ने का अभ्यास होना चाहिए
- बच्चों को स्नेहपूर्वक उत्साहित करना चाहिए
- अभिभावकों के साथ विनम्रता का व्यव्हार करना चाहिए
- नेतृत्व का गुण होना चाहिए

आचार्य के कार्य -

- प्रतिदिन ग्राम शिक्षा मंदिर में पढ़ाना
- शिक्षा मंदिर के परिसर को साफ और सुन्दर बनाए रखना
- प्रतिदिन कार्य की योजना बनाना एवं उसकी तैयारी करना
- बच्चों के माता पिता के साथ संपर्क
- प्रशिक्षण तथा अन्य कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेना
- अध्ययन एवं क्षमता का विकास जारी रखना
- गाँव के हर सुख – दुःख व खतरे के समय संगठित रूप से उचित कार्य करना
- विकास अधिकारी, डॉक्टर, कृषि अधिकारी, थाना अधिकारी, अन्य समाज सेवा आदि लोगो से संपर्क करना

विद्यालय के विवरण और सामग्रियाँ -

- प्रतिदिन उपस्थिति – पत्रक भरना
- आचार्या डायरी में प्रतिदिन का कार्य – विवरण भरना
- पाठ्यदान में कठिनाई के साथ-साथ अपने अनुभव से किया हुआ समाधान लिखना
- प्रत्येक विद्यार्थी की प्रगति को ध्यान में रखना
- विद्यालय सामग्री की सूची रखना
- नयी शिक्षण सामग्री बच्चों द्वारा बनवाना
- संच बैठक में उपस्थिति पत्रक की प्रति जमा करना एवं डायरी संच प्रमुख को दिखाना
- स्वावलंबन प्रकल्प का विवरण

शिक्षण सामग्री -

❖ विद्यालय में –

- नामपट, श्यामपट, चाक, डस्टर, घंटी, घड़ा, डुबनी, गिलास, झाड़ू
- माता सरस्वती / भारत माता का चित्र
- अंक ज्ञान एवं अक्षर ज्ञान की शिक्षण सामग्रियाँ, प्रान्त तथा जिले का राजनैतिक मानचित्र
- फलों, सब्जियों, जानवरों, पक्षियों, वाहनों और कहानियों के चार्ट
- कुर्सी, बक्सा, ताला

❖ आचार्या के पास –

- कैलंडर (हिंदी / अंग्रेजी)
- छात्र उपस्थिति पुस्तिका, आचार्या डायरी, सामग्री सूची, वृत्त निवेदन संचिका, पाठ्यक्रम संचिका
- पाठ्यक्रम पुस्तकें, पुस्तकालय की पुस्तकें, सीटी, नख कतर, कंघा, आइना, घड़ी

❖ आचार्या के पास –

- बस्ता, आसन
- स्लेट/कॉपी, पेंसिल/कलम, पुस्तक, लॉकेट (इसके अलावा कुछ सामग्रियाँ बच्चे अपने आप बनायेंगे

ग्राम शिक्षा मंदिर का स्वरुप

संचालन -

- ग्राम शिक्षा मंदिर गाँव या बस्ती के समाज की अपनी संस्था है। गाँव के लोग ग्राम – समिति बनाकर चलाते हैं।
- नगरवासी बंधु इसमें सहायता करते हैं
- राष्ट्रीय / प्रांतीय स्तर का संगठन इसे प्रेरणा तथा प्रशिक्षण देता है

विद्यार्थी / अनिवार्य विद्यार्थी -

- यहाँ 4 से 10 वर्ष आयु के बालक-बालिकाएँ पढ़ते हैं
- वह बच्चे जो विद्यालय नही जा पाते या विद्यालय छोड़ चुके है
- प्राय: इसमें बालिकाओं की संख्या ज्यादा रहती है
- आयु के अनुसार बच्चों के डॉ वर्ग बनाए जाते हैं : बाल (6-8 वर्ष) और किशोर (9-14 वर्ष)
- शिक्षा व्यवस्था एवं घर के कामों के कारण बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते है
- शिक्षा की सुविधा से वंचित बच्चे, जो गाँव के विद्यालय में किसी भी कारण से नामांकित नहीं हैं या विद्यालय से बाहर (Drop out) है

आचार्य-

- ग्राम शिक्षा मंदिर में एक ही आचार्य कार्य करता है
- आचार्य उसी गाँव का निवासी होता है
- आचार्य का चुनाव गाँव/बस्ती समाज करता है
- आचार्य एक समर्पित कार्यकर्त्ता होता है। वह अपनी खेती / व्यवसाय / घर का कार्य करते हुए सेवा भाव से ग्राम मंदिर शिक्षा मंदिर के लिए समय देता है
- आचार्य प्राय: दसवीं कक्षा तक या इससे अधिक शिक्षित होता है

स्थान व समय -

- शिक्षा मंदिर के लिए स्थान की व्यवस्था ग्रामवासी करता है
- गाँव के किसी भी घर के कमरे या बरामदे अथवा पंचायत घर या मंदिर का उपयोग किया जाता है
- कोई भी स्थान उपलब्ध न होने पर खुले आसमान के नीचे भी कार्य चला सकते हैं। ऐसे में ग्रामवासी जल्दी से जल्दी उपयुक्त स्थान की व्यवस्था करते है
- विद्यालय में प्रतिदिन दो घंटे पढाई होती है मोसम के अनुसार यह अवधि कुछ कम या अधिक हो सकती है
- शिक्षण का समय वियार्थियों और आचार्य की सुविधा के से ग्राम –समिति द्वारा निश्चित किया जाता है। इसकी सूचना संच प्रमुख एवं (G.S.D) को दी जाती है
- खेती या अन्य सामूहिक कार्य के लिए लम्बी छुट्टी भी दी जा सकती है

शिक्षा -

- इस विद्यालय में समग्र शिक्षा दी जाती है। इसमें विभिन्न विद्यालय के विषयों के अतिरिक्त अच्छे संस्कारो पर विशेष महत्त्व दिया जाता है। स्वास्थ्य शिक्षा, शारीरिक शिक्षा व शिल्प पर भी ध्यान दिया जाता है।
- हमारी राष्ट्रीय और स्थानीय संस्कृति से युक्त है। इसमें वैज्ञानिक दृष्टि, स्व – चिंतन व सृजन के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है
- अधिकतर जानकारी मौखिक रूप से दी जाती है
- भाषा, गणित, विज्ञान आदि विषयों को अच्छी तरह सिखाने के लिए विशेष तकनीकों का प्रयोग किया जाता है

उद्देश्य -

- बच्चों को अच्छे संस्कार देते हुए उन्हें प्राथमिक शिक्षा देना
- गाँव / बस्ती के समाज और राष्ट्रीय समाज को एक सूत्र में जोड़ना

संपादक की कलम से.....

आपकी अपनी
माधुरी अग्रवाल
उपप्रधान
राष्ट्रीय महिला विभाग

परम श्रद्धेय माननीय श्री श्याम जी गुप्त एवं आदरणीय मंजू दीदी ने एक बीज बोया जो आज एक वट वृक्ष बन गया है।

भारतीय परिवेश में विविधता में एकता का संगठन एकल अभियान ने किया है।

आचार्य उपहार योजना एवं सेवाव्रती संक्रांति योजना से नगर एवं गाँव की बहनों में संवाद और प्रेम बढ़ा और सभी अभिभूत हो गये। सभी आचार्यों का हम सभी को माँ के रूप में प्यार और आशीर्वाद देना है। आईये हम सब मिलकर अंचल प्रभारी योजना में सेवाव्रती बच्चों को स्नेह दें और उन परिवार का ध्यान करें, जो बच्चे राष्ट्र निर्माण हेतु अपना घर छोड़कर आंतरिक सुरक्षा और सशक्त भारत बनाने की दिशा में लगे हुए हैं।

राष्ट्र निर्माण हेतु....

आपके तन-मन-धन की अपेक्षा में.....आपकी माधुरी

"जो बनाता है इंसान को इंसान ऐसे गुरु को हम करते हैं प्रणाम"

एकल विद्यालय के लिए सहयोग

आईये अपने सपनों का भारत बनायें और स्वावलंबी, स्वाभिमानी भारत के नागरिक होने का गौरव प्राप्त करें।	
एक एकल विद्यालय	रु 22,000/ - वार्षिक
तीस एकल विद्यालय (परमवीर)	रु 6,60,000/ - वार्षिक
100 एकल विद्यालय (शतकवीर)	रु 22,00,000/ - वार्षिक
1000 एकल विद्यालय (महाशतकवीर)	रु 22,000,000/ - वार्षिक
भारत लोक शिक्षा परिषद् भारत सरकार के कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (IICA) के अंतर्गत CSR दान के लिए सूचीबद्ध है।	

DONATE NOW

नोट - वर्ष 2024-25 हेतु एकल विद्यालय संचालन की संशोधित सहयोग राशि जल्द ही प्रकाशित की जाएगी।

एकल विद्यालय में सीधे दान हेतु सम्पर्क करें-

Only For 80G:

Bharat Lok Shiksha Parishad
A/C No: 467902050000186
Union Bank of India, Shalimar Bagh
Delhi
IFSC Code: UBIN0546798

Only for CSR:

Bharat Lok Shiksha Parishad
A/C NO. 467902010123677
Union Bank Of India, Shalimar Bagh
Delhi
IFSC code: UBIN0546798

आपके द्वारा एकल के लिए किए गए सहयोग से गरीब बच्चे संस्कार सहित शिक्षा प्राप्त करते हैं,जो आने वाले समय में राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे।

For More Info.

प्रकाशक : भारत लोक शिक्षा परिषद्
मुख्य संपादक- श्रीमती माधुरी अग्रवाल (उपप्रधान, राष्ट्रीय महिला समिति)
एकल भवन, NS-15, FD Block, पीतमपुरा, दिल्ली- 110034
संपर्क सूत्र : 011 4752 3879, 9999399063, 7827207665, 8448386443
ई मेल : administration@blspindia.org, drw@blspindia.org, वेबसाइट : www.ekalblspindia.org

एकल विद्यालय
Bharat Lok Shiksha Parishad